भारत सरकार

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 2991

06.12.2019 को उत्तर के लिए

व्हेल शार्क को बचाने का अभियान

2991. श्री मोहम्मद फैजल पी. पी. :

क्या **पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने लक्षद्वीप में संकटग्रस्त व्हेल शार्क को बचाने के लिए कोई अभियान शुरू किया है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या भारतीय वन्य जीव न्यास इन अभियानों के माध्यम से जागरूकता फैलाकर इन संकटग्रस्त जीवों को बचा पाने में सफल रहा है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री
(श्री बाबुल सुप्रियो)

(क) और (ख) सरकार ने विशेष रूप से व्हेल शार्क के लिए लक्षद्वीप में कोई अभियान शुरू नहीं किया है। तथापि, 'वन्यजीव पर्यावासों का विकास' की केंद्रीय प्रायोजित स्कीम के अंतर्गत 'अत्यधिक संकटग्रस्त प्रजातियों को बचाने के लिए पुन:प्राप्ति कार्यक्रम' घटक के अंतर्गत ''लक्षद्वीप के जल में समुद्री डॉल्फिन (सभी समुद्री स्तनधारी)'' परियोजना के संरक्षण के लिए लक्षद्वीप को निधियां प्रदान की गई हैं।

(ग) और (घ) भारतीय वन्यजीव न्यास (डब्ल्यूटीआइ) से प्राप्त सूचनाओं के अनुसार डब्ल्यूटीआइ ने गुजरात वन विभाग की भागीदारी से व्हेल शार्कों को मारे जाने की रोकथाम के लिए वर्ष 2004 के दौरान व्हेल शार्कों को बचाने हेतु गुजरात में व्यापक जागरूकता अभियान की शुरूआत की। गुजरात के मछुआरों द्वारा 745 व्हेल शार्क बचाए और छोड़े गए हैं। डब्ल्यूटीआइ द्वारा केरल और लक्षद्वीप में भी इसी प्रकार के अभियान चलाए गए हैं।

****